

रुपए की मज़बूती

प्रलिस के लिये:

भारतीय रुपए का मूल्यहरास, **REER**, **NEER**, मुद्रा मूल्यहरास, **मुद्रासफीती**, मूल्यहरास बनाम अवमूल्यन, अधिमूल्यन बनाम मूल्यहरास

मेन्स के लिये:

अर्थव्यवस्था पर भारतीय रुपए के मूल्यहरास का प्रभाव, भारतीय रुपए की मज़बूती और कमज़ोरी को प्रभावति करने वाले कारक

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

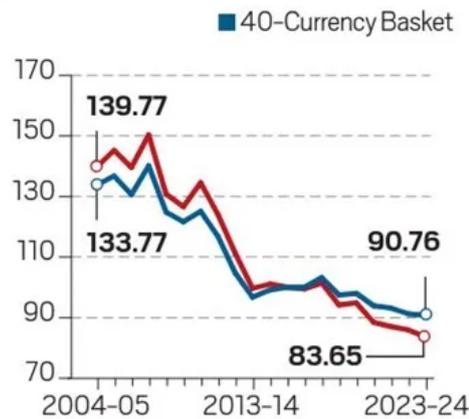
पछिले 10 वर्षों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया लगभग **27.6%** कमज़ोर हुआ है।

- प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले इसकी **वनिमिय दर** पर वचिर करने पर मुद्रा को वास्तविक मूल्य प्राप्त हुआ है।

भारतीय रुपए की दशकीय यात्रा कैसी है?

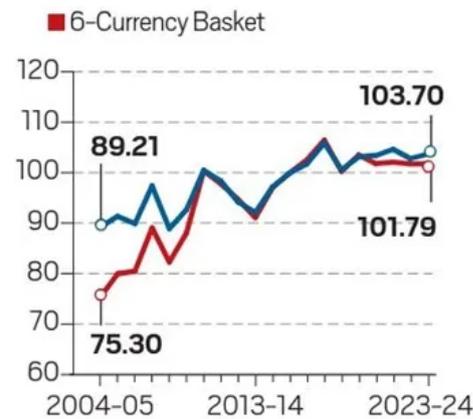
- वर्ष **2004** से **2014** तक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 44.37 रुपए से गरिकर 60.34 रुपए (**26.5%**) हो गया।
- वर्ष **2014** से **2024** के बीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 60.34 रुपए से गरिकर 83.38 रुपए (**27.6%**) हो गया है।
 - मुद्रा का **अधिमूल्यन** और **मूल्यहरास वदिशी मुद्रा** बाज़ार में अन्य मुद्राओं के सापेक्ष मुद्रा के मूल्य में परिवर्तन को संद्रभति करता है।

TRADE-WEIGHTED NEER (BASE: 2015-16 = 100)



// Note: Figures are for April-March financial year.

TRADE-WEIGHTED REER (BASE: 2015-16 = 100)



Source: Reserve Bank of India

- वर्ष 2004 और 2024 के बीच, **40-मुद्रा बास्केट NEER** के अनुसार रुपए में **32.2%** (133.77 से 90.76 तक) की गरिावट आई तथा **6-मुद्रा बास्केट NEER** के अनुसार **40.2%** (139.77 से 83.65 तक) की गरिावट आई।
 - अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की औसत वनिमिय दर **45.7%** गरिकर 44.9 रुपए से 82.8 रुपए हो गई।

- इसलिये, वर्ष 2004 और 2024 के बीच, केवल अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इसके मूल्यहरास की तुलना में, भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों की मुद्राओं के मुकाबले रुपए में थोड़ी गरिवट आई है।
- इसके अलावा **40-मुद्रा और 6-मुद्रा बास्केट दोनों के लिये रुपए का व्यापार-भारति REER पछिले 20 वर्षों में बढ़ा है, जो दर्शाता है कि वर्ष 2004-05 तथा वर्ष 2023-24 के बीच रुपया मज़बूत हुआ है।**
 - समय के साथ रुपया वास्तविक रूप से मज़बूत हुआ है, जबकि पछिले 10 वर्षों में अधिकांश समय यह 100 या उससे ऊपर रहा है।

वनिमिय दर क्या है?

- **परचिय:**
 - **वनिमिय दर**, वह दर है जिस पर एक मुद्रा का वनिमिय दूसरी मुद्रा से कथिा जा सकता है। यह किसी अन्य मुद्रा के संदर्भ में एक मुद्रा के मूल्य को दर्शाता है।
 - वनिमिय दरों को आमतौर पर एक मुद्रा की दूसरी मुद्रा की एक इकाई खरीदने के लिये आवश्यक राशिके रूप में व्यक्त कथिा जाता है।
- **प्रकार:**
 - **नशिचति वनिमिय दर:** सरकारें अथवा केंद्रीय बैंक अन्य मुद्राओं के संबंध में अपनी मुद्रा का मूल्य नरिधारति करते हैं और वदिशी मुद्रा बाज़ारों में अपनी मुद्रा खरीद या बेचकर उस मूल्य को बनाए रखते हैं।
 - **लचीली वनिमिय दर:** किसी मुद्रा का मूल्य आपूर्ति और मांग के आधार पर वदिशी मुद्रा बाज़ार द्वारा नरिधारति कथिा जाता है। अधिकांश प्रमुख मुद्राएँ इसी प्रणाली के अंतर्गत संचालति होती हैं।
 - **प्रबंधति वनिमिय दर:** नशिचति और लचीली वनिमिय दरों का मशिर्ण जहाँ सरकारें अपनी मुद्रा के मूल्य को स्थिर करने के लिये कभी-कभी हस्तकषेप करती हैं।
- **वनिमिय दर को प्रभावति करने वाले कारक:**
 - **ब्याज दरें:** किसी देश में ऊँची ब्याज दरें वदिशी नविश को आकर्षति करती हैं, जिससे उस देश की मुद्रा की मांग बढ़ती है और उसकी वनिमिय दर मज़बूत होती है।
 - **मुद्रास्फीति:** यदि किसी देश में उसके व्यापारिक साझेदारों की तुलना में मुद्रास्फीति अधिक है, तो उसकी मुद्रा कमज़ोर हो जाती है क्योंकि उसकी क्रय शक्ति कम हो जाती है।
 - **आर्थिक वकिस:** एक मज़बूत और बढ़ती अर्थव्यवस्था किसी देश की मुद्रा में वशिवास को बढ़ावा देती है, जिससे वनिमिय दर मज़बूत होती है।
 - **राजनीतिक स्थिरता:** राजनीतिक अस्थिरता वदिशी नविश को रोक सकती है और देश की मुद्रा को कमज़ोर कर सकती है।
 - **आपूर्ति एवं मांग:** आपूर्ति एवं मांग का मूलभूत सिद्धांत एक प्रमुख भूमिका नभिता है। यदि अधिक लोग किसी वशिष मुद्रा (उच्च मांग) को खरीदना चाहते हैं, तो इसकी वनिमिय दर मज़बूत हो जाती है।

प्रभावी वनिमिय दर (EER) क्या है?

- **परचिय:**
 - किसी मुद्रा की **प्रभावी वनिमिय दर (EER)** अन्य मुद्राओं के मुकाबले उसकी वनिमिय दरों का भारत औसत है, जिससे मुद्रास्फीति एवं व्यापार प्रतसिपर्द्धात्मकता हेतु समायोजति कथिा जाता है।
 - मुद्रा भार भारत के कुल वदिशी व्यापार में अलग-अलग देशों की हसिसेदारी से प्राप्त होता है।
- **मुद्रा की शक्ति पर प्रभाव:**
 - किसी मुद्रा की मज़बूती या कमज़ोरी सभी व्यापारिक साझेदारों की मुद्रा के साथ उस मुद्रा की वनिमिय दर पर नरिभर करती है।
 - भारत के लिये, रुपए की मज़बूती या कमज़ोरी, न केवल अमेरिकी डॉलर, बल्कि अन्य वैश्विक मुद्राओं के साथ इसकी वनिमिय दर पर भी नरिभर करती है।
 - इस मामले में, यह देश के सबसे महत्त्वपूर्ण व्यापारिक भागीदारों की मुद्राओं की एक टोकरी के वरिद्ध होगा, जिससे रुपए की "प्रभावी वनिमिय दर" अथवा EER कहा जाता है।
- **प्रभावी वनिमिय दर के प्रकार (EER):**
 - **नाममात्र प्रभावी वनिमिय दर (NEER):** NEER घरेलू मुद्रा और प्रमुख व्यापारिक साझेदारों की मुद्राओं के बीच द्वपिक्षीय वनिमिय दरों का एक सरल औसत है, जो संबंधति व्यापार शेरों द्वारा भारत होता है।
 - NEER मुद्रास्फीतिको समायोजति कथिे बना अन्य मुद्राओं की एक टोकरी के सापेक्ष मुद्रा की समग्र मज़बूती या कमज़ोरी को मापता है।
 - NEER सूचकांक 100 के आधार मूल्य और वर्ष 2015-16 के आधार मूल्य के संदर्भ में हैं।
 - **भारतीय रजिस्व बैंक** ने मुद्राओं की 2 अलग-अलग टोकरी के मुकाबले रुपए के NEER सूचकांक का नरिमाण कथिा है:
 - **6 मुद्रा टोकरी:** यह एक व्यापार-भारति औसत दर है जिस पर रुपया मूल मुद्रा टोकरी के साथ वनिमिय योग्य होता है, जिसमें अमेरिकी डॉलर, यूरो, चीनी युआन, बरिटिश पाउंड, जापानी येन और हॉन्गकॉन्ग डॉलर शामिल होते हैं।
 - **40 मुद्राओं की टोकरी:** इसमें देशों की 40 मुद्राओं की एक बड़ी टोकरी शामिल है जो भारत के वार्षिक व्यापार प्रवाह का लगभग 88% हसिसा है।
 - **वास्तविक प्रभावी वनिमिय दर (REER):**
 - REER घरेलू अर्थव्यवस्था और उसके व्यापारिक भागीदारों के बीच मुद्रास्फीति दरों में अंतर के लिये NEER को समायोजति करता है। यह वस्तुओं और सेवाओं के सापेक्ष मूल्य स्तरों में परिवर्तन को दर्शाता है।
 - REER मूल्य स्तरों में बदलावों को ध्यान में रखते हुए किसी मुद्रा की व्यापार प्रतसिपर्द्धात्मकता का अधिक सटीक माप प्रदान करता है।

- REER की गणना घरेलू अर्थव्यवस्था के लिये NEER को मूल्य अपस्फीति (जैसे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) द्वारा वभिाजति करके तथा 100 से गुणा करके की जाती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर मुद्रा अवमूल्यन के क्या प्रभाव हैं?

■ सकारात्मक प्रभाव:

- नरियात को बढ़ावा: वदिशी खरीदारों के लिये भारतीय नरियात कफियाती हो गया है, अतः संभावति रूप से मांग बढ़ रही है तथा नरियात आय में वृद्धि हो रही है।
- आवक प्रेषण: रुपया कमज़ोर होने से वदिशों में शरमकों को रुपए के वदिशी मुद्रा आय में परविरतति करने पर अधिक रुपए प्राप्त होंगे।
 - इससे भारत में प्रयोज्य आय में वृद्धि हो सकती है।

■ नकारात्मक प्रभाव:

- उच्च आयात लागत: तेल और मशीनरी जैसी आवश्यक वस्तुओं सहति आयातति सामान अधिक महँगे हो जाते हैं।
 - इससे मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ सकता है, जहाँ वस्तुओं और सेवाओं का सामान्य मूल्य बढ़ जाता है, जिससे सामान्य व्यक्तकी करय शक्ति प्रभावति होती है।
- महँगा वदिशी ऋण: यदि भारत ने वदिशी मुद्राओं में पैसा उधार लया है, तो कमज़ोर रुपए का मतलब है कि ऋणग्राही को ऋण चुकाने के लिये अधिक धनराशा देनी होगी।
 - इससे सरकार की वत्तितय स्थिति पर दबाव पड़ सकता है।
- वदिशी नविश को हतोत्साहन: रुपए के मूल्य में गरिावट को आर्थिक अस्थरिता के संकेत के रूप में देखा जा सकता है, जो संभावति रूप से वदिशी नविशकों को भारत में नविश करने से हतोत्साहति कर सकता है।

मुद्रा का मूल्य ह्रास एवं अवमूल्यन:

लक्षण	अवमूल्यन	मूल्य ह्रास
कारण	शासन की नीतियाँ	बाज़ार की शक्तियाँ (माँग एवं आपूर्ति)
वनिमिय दर प्रणाली	नश्चिति	अनश्चिति
वैचारकितता	आर्थिक लाभ के लिये मुद्रा को कमज़ोर करने की जानबूझकर की गई कार्रवाई	मूल्य में स्वाभाविक गरिावट
नयितरण	सरकारी नयितरण वनिमिय दर	बाज़ार वनिमिय दर नरिधारति करता है,

दृष्टभेन्स प्रश्न:

भारतीय अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति और वनिमिय दरों के बीच संबंध का वशिलेषण करें। इस संबंध से उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा करें तथा उन्हें प्रबंधति करने के लिये नीतगित उपाय सुझाएँ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारतीय रुपए की गरिावट रोकने के लिये नमिनलखिति में से कौन-सा एक सरकार/भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा कथिा जाने वाला सर्वाधिक संभावति उपाय नहीं है? (2019)

- गैर-ज़रूरी वस्तुओं के आयात पर नयितरण और नरियात को प्रोत्साहन
- भारतीय उधारकर्त्ताओं को रुपए मूल्यवर्ग के मसाला बॉण्ड जारी करने हेतु प्रोत्साहति करना
- वदिशी वाणजियक उधारी से संबंधति दशाओं को आसान बनाना
- एक प्रसरणशील मौद्रक नीतिका अनुसरण करना

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि:

- किसी मुद्रा के अवमूल्यन का प्रभाव यह होता है कि वह आवश्यक रूप से:
- वदिशी बाज़ारों में घरेलू नरियात की प्रतसिपर्द्धात्मकता में सुधार करता है।
- घरेलू मुद्रा के वदिशी मूल्य को बढ़ाता है।
- व्यापार संतुलन में सुधार करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 3
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: (a)

??????:

प्रश्न. विश्व व्यापार में संरक्षणवाद और मुद्रा चालबाज़ियों की हाल की परधटनाएँ भारत की समष्टि-आर्थिक स्थिरता को किस प्रकार से प्रभावित करेंगी? (2018)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/strengthening-of-rupee-1>

